बिहार प्रदेश युवा परिषद्

वार्षिक प्रतिवेदन

Registered under the societies ActXXI of 1860FCRA-Income tax 12A,8G Near Mission Girls High School Abadganj, Daltonganj, Palamau- 822110 Mobile- 9431147597
Office:- 06562 235239
Email- ajay_bpyp@rediffmail.com

Bihar Pradesh Yuva Parishad (BPYP)

2015-16

सारांश

बिहार प्रदेश युवा परिषद् (BPYP) ने वित्तीय वर्ष 2015–2016 में में कई अलग–अलग परियोजना में पलामु, लातेहार एवं गढ़वा जिला में कार्य किया है, जिसमें आजीविका, ग्रामीण जलार्पुती, बाल विवाह, शिक्षा, कृषि, महिला सशक्तिकरण आदि परियोजना में कार्य किया गया।

संस्था के लक्ष्य और उद्देश्य

लक्ष्य :

युवा पीढ़ी और सहायक विकास प्रक्रियाओ को बढ़वा देते हुए समपुर्ण ग्रामीण क्षेत्रो का समग्र विकास।

उद्देश्यः

- बेरोजगार युवा वर्ग के सदस्यो के विकास के लिए शैक्षणणिक, सामाजिक, नैतिक, शारीरिक एवं सांस्कृतिक विकासात्मक कार्यक्रम चलाने का प्रयास करना।
- शिक्षित बेरोजगार युवक एवं युवतियों के लिए स्व–नियोजन हेतु विभिन्न प्रकार के लघु उद्योग, कुटिर उद्योग का संचालन करने का प्रयास करना।
- समाज में आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हर स्तर पर बालक, बुढ़े एवं असहाय पुरूष तथा महिला इत्यादि का सेवा करने का प्रयास करना।
- समय–समय पर युवको, महिलाओं, बुढ़ो एवं असहाय लोगो की संगोष्ठी बुलाकर उनहे आत्म–स्वावलम्बी बनाने हेतु शैक्षणिक कार्यक्रम चलाने का प्रयास करना।
- समाज के विकास हेतु कसिदाकारी, पेंटिग, बंजर भुमि का विकास, व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, परिवार कल्याण शिविर, बालवाड़ी आगंनवाड़ी एवं पर्यावरण समस्याओं का निदान का प्रयास करना।
- समाज के विकास के लिए समाज से संबंधित आवश्यकताओं एवं समस्याओं पर अध्ययन, शोध एवं समाग्री प्रकाशन का प्रयास करना।
- यह परिषद राजनीतिक, सम्प्रदायिक तथा जातिय मामले से अलग होकर रचनात्मक और अहिंसात्मक का कार्यक्रम प्रणाली के रूप में कार्य करेगी।

वित्तीय वर्ष 2015–2016 में परियोजनाओं का नाम

1. महिला स्वयं सहायता समुह (नाबार्ड)
2. कोर परियोजना (आजीविका) (सी.डब्लु.एस.)
3. डहर, बाल विवाह परियोजना (डी.एफ.)
4. बीज उत्पादन परियोजना (नाबार्ड)
5. Micro entrepreneur development project, MEDP (नाबार्ड)
6. नीर निर्मल परियोजना (वर्ल्ड बैंक)
7. असर (लाखो में एक) (प्रथम)

परियोजनाओ की विस्तृत वार्षिक परियोजना प्रतिवेदन।

1. महिला स्वयं सहायता समुहः–

नाबार्ड और भारत सरकार के सहयोग से महिला स्वयं सहयाता की परियोजना की शुरूआत 22 जुलाई 2012 से पलामु जिले के सभी 20 प्रखण्डो में शुरू किया गया इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनकी आर्थिक स्थीति में सुधार लाना है।

महिला स्वयं सहायता समुह परियोजना में एकंर एन.जी.ओं बी.पी.वाई.पी. ने नाबार्ड को सहयोग से निःशुल्क बॉक्स, रजिस्टर, पासबुक, कैशबुक आदि प्रदान किया गया।

परियोजना का उद्देश्यः–

- स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गरीब परिवारों के लिए स्थाई बैंकिंग सेवओं तक पहुँच प्रदान करना।
- सूक्ष्म वित्त कार्यक्रमो के माध्यम से गरीब महिलाओं को समाजिक विकास कार्यक्रमों में भागिदार बनाना।
- स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गरीबों के लिए आजीविका विकास को बढ़ावा देना।
- महिलाओं को सशक्त बनाना।

गतिविधि

महिला स्वयं सहायता समूह परियोजना में वित्तीय वर्ष 2015–16 में कुल 414 बचत खाता और 553 महिला स्वयं सहायता समूहो को ऋण प्रदान कराया गया।

रिर्पोट 2015–16

क0	अवधि	समुह गठन सं0	बचता खाता सं0	जमा रूपया	ऋण खाता सं0	ऋण रूपए
1	2012–15	2144	1398	37114977.00	231	5092500.00
2	2015–16	0	414	10360500.00	553	8240000.00
3	**कुल**	**2144**	**1812**	**47475477.00**	**784**	**13332500.00**

इस परियोजना में उपरोक्त कार्य के अलावा पलामु जिला के सभी 20 प्रखण्डों में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सभी समुह के पदाधिकारीयों को रिकार्ड और लेखा पर प्रशिक्षण दिया गया।

महिला स्वयं सहयाता समुह परियोजना चित्र

प्रशिक्षण देतें महासचिव श्री अजय कुमार सिन्हा एवं डी.डी.एम. नाबार्ड श्री किशोर तिर्की।

महिला समुह की बैठक

2. कोर परियोजना (आजीविका)

यह परियोजना अप्रेल 2015 से लातेहार जिला के मनिका प्रखण्ड के नामुदाग पंचायत में सी.डब्लयु.एस. के सहयोग से चलाया जा रहा है,

कार्यक्रम का उद्देश्यः–

- किसानो तथा भुमिहीन परिवारो के खेती तथा खेती से संबधिंत आजीविका एवं पोषण के परिस्थिती में सकारत्मक बदलाव लाना।
- 900 किसानो को 3 साल के अंत तक स्थायी तथा समेकित खेती कृषि पद्धति से जोड़ना।
- 900 किसानो में (75प्रतिशत) 675 किसानो के वार्षिक आय में औसत 24000/– से 36000/– रूपये की वृद्धि करना।

गतिविधि

1. 200 परिवारों का खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु डी.डी. स्कोर सर्वे किया गया जिसमें 78 परिवारों को पोषण सुरक्षित करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों से जोड़ गया।
2. 2 किसानो नीलाम्बर सिंह (सधवाडीह) एवं फुलो देवी (नामुदाग) के साथ समेकित खेती का नमुना तैयार करवाया गया।
3. खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु कुल 23 महिला किसानो को पोषण बगीचा लगवाया गया।
4. कुपोषित बच्चो को पोषण के दायरे मे लाने हेतु कुल 31 बच्चों के साथ 15 दिनो का पोषण सत्र चलाया गया, जिसमें कुल 29 बच्चों को पोषण के दायरे में लाया गया।
5. सरकारी सेवा में सुधार हेतु कुल 4 सरकारी से (2 ऑगनबाड़ी, 1 जनवितरण प्रणाली, 1 सहिया) के साथ सामुदायिक अंक अभ्यास किया गया एवं सवे में सुधार हेतु कार्य–योजना तैयार किया गया।

6. नामुदाग पंचायत के ग्रामीणों को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु प्रखण्ड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। तथा ग्रामीणो को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।
7. 90 किसानो को समेकित खेती से जोड़ गाया।

कोर परियोजना चित्र

समेकित खेती

एस. आर विधि से धान कि रोपाई

वित्तीय साक्षरता

समेकित खेती

पोषक बगीचा

एस.आर.आई प्रशिक्षण

पौधा वितरण

नर्सरी

3. बाल विवाह परियोजना (डहर)

बाल विवाह परियोजना अक्टुबर 2014 से जुन 2015 तक पलामु जिला के सदर प्रखण्ड में लोहरदगा ग्राम स्वराज्य संस्थान/डेवलपमेन्ट फोक्स के सहयोग से क्रियान्वन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्यः–

1. परियोजना क्षेत्र के हो रहे बाल विवाह को 50 प्रतिशत तक कम करना।
2. परियोजना क्षेत्र के सभी 20 गॉवों में 40 युवा कल्ब गठन कर (20 युवक एवं 20 युवती) का गठन कर उन्हें यौन स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना।

गतिविधि

बाल विवाह परियोजना में पिछले वर्ष 2014.15 में युवा कल्ब का गठन, अन्य कई प्रखण्ड एवं पंचायत स्तरीय कार्यशाला का आयोजा कर बाल विवाह को रोकने का प्रयास किया गया।

वर्ष 2014–15

1. प्रखण्ड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन कर पंचायत प्रतिनिधि, महिला समूह सदस्य, युवा कल्ब के सदस्य एवं युवा मित्र को बाल विवाह से होने वाले खतरो की जानकारी देकर उन्हे सशक्त बनाने का कार्य किया गया, इस कार्यक्रम सरकार के संस्था के प्रतिनिधि से भी जनाकरीया प्रदान कराने का कार्य किया गया। जैसे जिला विधिक प्राधिकर पलामु से जज एवं वकील, स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर एवं नर्स आदि थे।
2. जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसमें पंचायत के प्रतिनिधियों, युवा मित्र, युवा कल्ब, किशोरी कल्ब के सदस्य तथा शिक्षक शामिल हुए जिसमें बाल विवाह से होने वाल खतरो के बारे में अवगत कराया गयां
3. परियोजन क्षेत्र के 20 गॉवों में कुल 11 बाल विवाह को रोका गयां

बाल विवाह परियोजना चित्र

बाल विवाह पर ग्राम स्तरीय बैठक।

बाल विवाह पर पंचायत एवं प्रखण्ड स्तरीय बैठक।

4. बीज उत्पादन परियोजना (नाबार्ड)

सिड प्रोडक्सन परियोजना नाबार्ड के सहयोग से पलामू जिले के दो प्रखण्ड सतबरवा के खामडीह गॉव और लेस्लीगंज प्रखण्ड के ओरीया गॉव में कार्य किया जा रहा यह परियोजना दो वर्ष का है जो अप्रेल 2014 से मार्च 2016 तक।

वर्ष 2014–15 में संस्था के द्वारा खामडीह गॉव में 10 किसान (प्रति किसान एक एकड़) और ओरीया गॉव के 40 किसान (प्रति किसान एक एकड़) जमीन पर एस. आर. आई विधि से खेती किया गया है।

वर्ष 2015–16 पिछले वर्ष के 50 किसान तथा इन्ही दोनो गॉव से और 50 किसान कुल 100 किसानो के साथ कार्य किया गया।

सिड प्रोडक्सन परियोजना विस्तार से:–

क0 स0	प्रखण्ड	गॉव	कुल किसान	जमीन (एकड़ में)	उत्पादन (क्विटंल में)
1	सतबरवा	खामडीह	40	40	372.00
2	लेस्लीगंज	ओरीया	60	60	733.05
कुल			**100**	**100**	**1105.00**

किसानो का बीज उत्पादन करवाकर उसे प्रोसेगीं किया गया साथ टैगींक करवाकर खुद के लिए बीज रख कर बाकी का बीज बाजार में किसाने से बिकवाया गया जिससे किसानो को अच्छा लाभ मिला तथा उन से बीज और खाद का दाम जो परियोजना के द्वारा दी गई थी उसे वापस करवाकर उन्ही के समिति खाता में जमा करवा दिया गया ताकि वह इस कार्य को निरन्तर रूप से कर सकें।

बीज उत्पादन परियोजना चित्र

सीड प्रोडक्सन पर किसानो का प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीड प्रोडक्सन प्रशिक्षण व सीड के खेत

5. MEDP परियोजना (नाबार्ड)

एम. ई डी. पी परियोजना नाबार्ड के सहयाता से पुरे पलामू जिले के लेस्लिगंज, चैनपुर, सतबरवा के प्रखण्ड में महिला स्वयं सहायात समूह जिन्हें बैंक से ऋण प्राप्त है वैसे समुहो को व्यावसायीक प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हे आत्म निभर्र बनाने का कार्य किया जा रहा, यह परियोजना में कुल 40 बैच का प्रशिक्षण किया जाना था जिसमें 04 बैच का प्रशिक्षण वर्ष 2014–15 में शुरू कर दिया गया बाकी का प्रशिक्षण वर्ष 2015–16 में सम्पन्न हुआ।

कार्य तालिका में।

क0 स0	प्रशिक्षण का नाम	कुल बैच	प्रशिक्षण का दिन प्रति बैच	समुह की संख्या	एस. सी. प्रशिक्षणर्थी	एस. टी. प्रशिक्षणर्थी	कुल प्रशिक्षणर्थी
1	गैर मौसमी सब्जी की खेती	10	11	35	133	07	310
2	जैविक खाद एवं जैविक किटनाशक दवा	10	09	12	90	04	304
3	सुअर एवं बकरी पालन प्रशिक्षण	05	13	12	18	04	159
4	मुर्गी एवं बत्तख पालन प्रशिक्षण	05	13	11	97	18	150
5	लाह उत्पादन	10	12	20	126	21	300
कुल		**40**	–	**90**	**464**	**54**	**1223**

MEDP परियोजना चित्र

जैविक खाद तैयार करती महिलाएं ।

गैर मौसमी सब्बजी खेती की प्रशिक्षाणर्थी।

नसर्री तैयार करती महिलाएँ।

6. नीर निर्मल परियोजना (वर्ल्ड बैंक)

नीर निर्मल परियोजना वर्ल्ड बैंक के द्वारा गढ़वा में संचालित किया जा रहा है, इस परियोजना में संस्था बिहार प्रदेश युवा परिषद् वर्ल्ड बैंक द्वारा गठित जिला प्रबंधन इंकाई गढ़वा के सहयोगी संस्था के रूप में कलस्टर न0 04 एवं 05 में जनवरी 2016 से सिपतम्बर 2016 तक कार्य करेगी।

इस परियोजना मे संस्था के द्वारा ग्रामीण जलापुर्ती योजना के तहत ग्रामीणो को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है, इसमें ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (VWSC), ग्राम सभा, पंचायत सभा, प्रचार–प्रसार के माध्यम से लोगो को जागरूक किया जा रहा है साथ ही साथ योजना में हो रहे कन्ट्रक्सन कार्य की देख–रेख, ठोस तरल कचरा प्रबंधन के उपर विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करना, शौचालय निर्माण हेतू लोगो को प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है।

ग्रामीण जलापुर्ती योजना की सूची:–

क0 स0	जिला	प्रखण्ड	ग्रामीण जलापुर्ती योजना का नाम
1	गढ़वा	मंझीऑव	चन्द्रपुरा ग्रामीण जलापुर्ती योजना
2			आछोडीह ग्रामीण जलापुर्ती योजान
3			रानीताली ग्रामीण जलापुर्ती योजना
4			रामपुर ग्रामीण जलापुर्ती योजना
5			चन्दना ग्रामीण जलापुर्ती योजना
6			करकट्टा ग्रामीण जलापुर्ती योजना
7		बरडीहा	कुन्द्रहे ग्रामीण जलापुर्ती योजना
8			सलगा ग्रामीण जलापुर्ती योजना
9			लावाचम्पा ग्रामीण जलापुर्ती योजना
10			सेमरी ग्रामीण जलापुर्ती योजना
11			सरस्तीया ग्रामीण जलापुर्ती योजना

12			लोका ग्रामीण जलापुर्ती योजना
13		बरडीहा	बभनी ग्रामीण जलापुर्ती योजना
14			जिका ग्रामीण जलापुर्ती योजना
15	गढ़वा		रतनगढ़ा ग्रामीण जलापुर्ती योजना
16		काण्डी	लमारी खुर्द ग्रामीण जलापुर्ती योजना
17			राजा घटउवा ग्रामीण जलापुर्ती योजना

नीर निर्मल परियोजना चित्र

नीर निर्मल परियोजना की ग्राम सभा

व्यहार परिवर्तन स्कुल रैली

7. असर, लाखो में एक (प्रथम)

असर (Annual Status of Education Report) के तहत लाखो में एक पपिरयोजना का कार्य किया गया जिसमें पलामु एवं लातेहार जिले के 25 गॉवो में अन्य सहयोगी संस्थाओं के साथ मिल कर पुरा किया।

इस परियोजना में बच्चो के पढ़ाई के स्तर को जॉचा गया और देखा गया की वह किस स्तर तक पढ़ अथवा लिख सकते है।

सर्वे किए गॉव की सूचीः–

क0 स0	जिला	प्रखण्ड	गॉव
1	लातेहार	मनिका	नामुदाग
2	लातेहार	मनिका	सधवाडीह
3	लातेहार	मनिका	मानीकडीह
4	लातेहार	मनिका	चेचन्धा
5	लातेहार	मनिका	कुटमु
6	पलामु	सदर	गणके
7	पलामु	सदर	जोरकट
8	पलामु	सदर	पोखराहा
9	पलामु	सदर	बकोइया
10	पलामु	सदर	सालो
11	पलामु	सदर	पिड़ीया
12	पलामु	सदर	चकबरेवा
13	पलामु	सदर	पोलपोल खुर्द
14	पलामु	सदर	लहलहे
15	पलामु	सदर	दुबा
16	पलामु	सदर	करमा
17	पलामु	सदर	नउवाढोड़
18	पलामु	सदर	बड़की नेभी
19	पलामु	सदर	बखारी
20	पलामु	सदर	चामा
21	पलामु	सदर	चुकरू
22	पलामु	सदर	हुटॉर
23	पलामु	सदर	कसीया
24	पलामु	सदर	केवटबार
25	पलामु	सदर	सोनपुरवा

नमुना

लाखों में एक

सन 1930 का यादगार साल। गांधीजी ने 24 दिन लगातार 300 किलोमीटर चलकर नमक उठाया था। हजारों हजार देशवासी उनके पीछे चल पड़े और भारत का इतिहास बदल गया।

एक बार फिर बदलेगा।

लाखों में एक अभियान क्यों?

'लाखों में एक' अभियान इसी उद्देश्य के लिए कराया जा रहा है। आप भी इसमें शामिल हो सकते हैं। इसलिए आइये खेलें और पढ़ें...।

आओ खेलें और पढ़ें

SAMPLE (3)

कहानी

रामपुर में एक मैदान था। वहाँ कोई नहीं खेलता था। एक दिन कुछ लोग आए। सबने मिलकर सोचा कि यहाँ बगीचा बनाया जाए। खाद मंगाकर तरह-तरह के पौधे लगाए गए। आज वहाँ एक सुंदर बगीचा है। अब वहाँ सभी खेलने जाते हैं।

घटाव

41
-24

74
-35

96
-68

Thanks